# स्वतंत्रता के बाद भारत में शिक्षा

Dr. Mukesh Pancholi

## Topic-II स्वतंत्रता के बाद भारत में उच्च अधिगम व शोध का उदय –

स्वतंत्रता के बाद शिक्षा के विकास व सुधार के लिए सरकार ने कई प्रकार की समितियों व आयोगों का गठन किया तथा इन्हीं समितियों व आयोगों की सिफारिशों ने भारत में उच्च शिक्षा व अनुसंधान के विकास का मार्ग प्रशस्त किया।

1947 में भारत में 19 विश्वविद्यालय थे। भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली स्वतंत्रता के बाद की अवधि में ही उल्लेखनीय प्रगति हुई है और दुनियां की सबसे बड़ी उच्च प्रणाली बन गई है।

Dr. Mukesh Panchali

- भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली ने अपनी प्रणाली और सूचना स्वयं विकसित की है, हालांकि भारतीय संघ शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संघ व राज्य सरकार को संयुक्त जिम्मेदारी प्रदान करता है।
- शैक्षणिक, प्रशासनिक व वित्तीय लचीलेपन के प्रावधानों के अनुसार, देश में उच्च शिक्षा प्रणाली में विभिन्न प्रकार के विश्वविद्यालय व संस्थान है।
- भारत में विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थान है जैसे केन्द्रीय व राज्य विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान, मुक्त विश्वविद्यालय माने जाते है।

Dr. Mukesh Pancholi

- देश में उच्च शिक्षा प्रणाली विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के साथ कई एजेंसियों द्वारा सर्वोच्च निकाय के रूप में संचालित की जाती है।
- स्वतंत्रता के बाद भारत को उच्च शिक्षा का विकास अभूतपूर्व है, यह तब से है जब से 1953 में UGC की स्थापना देश में उच्च शिक्षा के नियोजित विकास के लिए की गई। 1950 से 2012 के दौरान विश्वविद्यालयों की संख्या 20 से बढ़कर लगभग 659 हो गई।
- उच्च शिक्षा की प्रगति निम्न प्रकार वर्षदर-वर्ष हुई –

Dr. Mukesh Pancholi

# स्वतंत्रता के बाद भारत में बने विभिन्न आयोग

| वर्ष | आयोग का नाम | अध्यक्ष | उद्देश्य |
|---|---|---|---|
| 1948-49 | राधाकृष्णन आयोग / विश्वविद्यालय आयोग | डॉ. राधाकृष्णन | विश्वविद्यालयों के संबंध में अध्ययन करने के लिए |
| 23 सितम्बर, 952 | माध्यमिक शिक्षा आयोग | डॉ. लक्ष्मण मुदालियर | माध्यमिक शिक्षा की प्रचलित प्रणाली की जांच करने के लिए |
| 1954 | ग्रामीण उच्च शिक्षा समिति | श्री के. एल. माली | ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा का स्तर सुधारने हेतु |
| 14 जुलाई, 1964 | कोठारी आयोग | डॉ. डी.एस. कोठारी | राष्ट्रीय शिक्षा की रूपरेखा तैयार करने के लिए |

Dr. Mukesh Pancholi

| वर्ष | आयोग का नाम | अध्यक्ष | उद्देश्य |
|---|---|---|---|
| 1972 | राष्ट्रीय समिति | डॉ. पी. डी. शुक्ला | 10+2+3 लागू करने के विषय में सुझाव देने के लिए |
| 1986 | - | - | राष्ट्रीय शैक्षिक नीति |
| मई, 1990<br>26 दिस. 1990 को रिपोर्ट प्रस्तुत | आचार्य राममूर्ति समिति | आचार्य राममूर्ति | शैक्षिक नीति 1986 की समीक्षा के लिए गठित |
| 1992 | जर्नादन राम रेड्डी समिति/कार्य योजना (POA) केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड रिपोर्ट | आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री N. जनार्दन रेड्डी | आचार्य राममूर्ति की सिफारिशों की समीक्षा व शैक्षिक नीति में संशोधन POA-1992 |

Dr. Mukesh Pancholi

| वर्ष | आयोग का नाम | अध्यक्ष | उद्देश्य |
|---|---|---|---|
| 1992 | यशपाल समिति | प्रो. यशपाल | छोटे बच्चों पर पड़ने वाले बोझ को कैसे कम करें व गुणवत्ता सुधार के लिए गठन |
| 1996 | डेलर्स रिपोर्ट (अंतर्राष्ट्रीय आयोग) | जैकन डेलर्स | '21वीं शताब्दी में शिक्षा' |
| 13 जून, 2005 | राष्ट्रीय ज्ञान आयोग | सैम पित्रोदा | PMO की शिक्षा अनुसंधान व भारत में ज्ञान अर्थव्यवस्था को प्रतियोगी बनाने के लिए सलाह देना |
| 2012 | के. वी. पंवार समिति | के.वी. पंवार | उच्च शिक्षा में PPP सुनिश्चित करने के लिए |

Dr. Mukesh Panchor

| वर्ष | आयोग का नाम | अध्यक्ष | उद्देश्य |
|---|---|---|---|
| 2012 | जस्टिस जे. एस. वर्मा समिति | जे.एस.वर्मा | शिक्षकों की क्षमता की समय-समय पर जांच |
| 2015 | शिक्षा नीति समिति | टी.एस.आर. सुब्रह्मण्यम् | शिक्षा नीति संबंधी मसौदा |
| 2017 | राष्ट्रीय शिक्षा नीति समिति | डॉ. के. कस्तूरीरंगन | मौजूदा शिक्षा प्रणालियों की चुनौतियों का सामना करने के लिए नई शिक्षा नीति |

Dr. Mukesh Pancholi

## (I) राधाकृष्णन आयोग (1948-49) –

- स्वतंत्रता के बाद भारत में विश्वविद्यालयों के संबंध में अध्ययन करने वाला पहला प्रमुख आयोग राधाकृष्णन आयोग (जिसे विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग के रूप में भी जाना जाता है) बनाया गया।
- इस आयोग का गठन नवम्बर, 1948 में डॉ. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में किया गया, इस आयोग ने अगस्त, 1949 में अपनी सिफारिशें प्रस्तुत की, जो कि निम्न है –

Dr. Mukesh Pancholi

1. इस आयोग के द्वारा कहा गया कि विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा से पहले 12 वर्ष की स्कूली शिक्षा दी जानी चाहिए।
2. विश्वविद्यालय में परीक्षा दिवस के अतिरिक्त कम से कम 180 दिन पढ़ाई होनी चाहिए, जो (11 - 11) सप्ताहों के तीन सत्रों मं विभाजित होनी चाहिए।
3. उच्च शिक्षा के 3 उद्देश्य होने चाहिए –
   A. सामान्य शिक्षा
   B. संस्कारी शिक्षा
   C. व्यावसायिक शिक्षा

Dr. Mukesh Pancholi

4. सभी विश्वविद्यालय के स्तर एक समान किए जाएं। शिक्षा को समवर्ती सूची में शामिल किया जाए।
5. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बनाए जहां, जो देश में विश्वविद्यालय शिक्षा की देख-रेख करें।

नोट –

- राधाकृष्णन आयोग की अनुशंसा पर वर्ष 1953 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्थापना की गई, व संसद के अधिनियम के द्वारा इसे पूर्णतया स्वायत्त बना दिया गया।

Dr. Mukesh Pancholi

## (II) माध्यमिक शिक्षा आयोग, 1952 –

देश की माध्यमिक शिक्षा की प्रचलित प्रणाली की जांच करने के लिए मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. लक्ष्मण स्वामी मुदालियर की अध्यक्षता में 23 सितम्बर, 1952 को माध्यमिक शिक्षा आयोग का गठन भारत सरकार द्वारा किया गया था।

इस आयोग की मुख्य सिफारिशें निम्नलिखित है –

- 3 वर्ष माध्यमिक व 4 वर्ष की उच्च शिक्षा होनी चाहिए।
- बहुद्देशीय स्कूलों व व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों (Vocational Training Centre) की स्थापना की जाए।

Dr. Mukesh Pancholi

- वस्तुनिष्ठ परीक्षण पद्धति को अपनाया जाए व संख्यात्मक अंक देने के स्थान पर सांकेतिक अंक दिए जाए।
- उच्च व उच्चतर माध्यमिक स्तर की शिक्षा के पाठ्यक्रम में गणित, सामान्य ज्ञान, कला व संगीत अनिवार्य होना चाहिए।

Dr. Mukesh Pancholi

# महत्त्वपूर्ण प्रश्न

Dr. Mukesh Pancholi

1. स्वतंत्रता के समय भारत में विश्वविद्यालय थे -

(A) 19

(B) 20

(C) एक भी नहीं

(D) इनमें से कोई नहीं

Dr. Mukesh Pancholi

2. राधाकृष्णन आयोग का कार्यकाल था -

(A) 1948-50

(B) 1948-51

(C) 1948-49

(D) 1948

Dr. Mukesh Pancholi

3. विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग के अनुसार परीक्षा दिवस के अलावा कितने दिन पढ़ाई होनी चाहिए -

(A) 200 दिन

(B) 180 दिन

(C) 220 दिन

(D) 150 दिन

Dr. Mukesh Pancholi

4. निम्न में से उच्च शिक्षा के उद्देश्य नहीं है (राधाकृष्णन आयोग के अनुसार) -

(A) संस्कारी शिक्षा

(B) व्यावसायिक शिक्षा

(C) भौतिकवादी शिक्षा

(D) सामान्य शिक्षा

Dr. Mukesh Pancholi

5. शिक्षा को समवर्ती सूची में शामिल करने की सिफारिश की है -

(A) हंटर आयोग ने

(B) माध्यमिक शिक्षा आयोग

(C) बुच समिति ने

(D) राधाकृष्णन आयोग

Dr. Mukesh Pancholi

6. UGC की स्थापना कब व किस आयोग की सिफारिश पर की गई -

(A) 1954, माध्यमिक शिक्षा आयोग

(B) राधाकृष्णन आयोग, 1948

(C) राधाकृष्णन आयोग, 1953

(D) राधाकृष्णन आयोग, 1949

Dr. Mukesh Pancholi

7. माध्यमिक शिक्षा आयोग का गठन किया गया -

(A) 24 सितम्बर, 1954

(B) 23 सितम्बर, 1952

(C) 23 सितम्बर, 1953

(D) इनमें से कोई नहीं

Dr. Mukesh Pancholi

8. वस्तुनिष्ठ परीक्षण पद्धति, सांकेतिक अंक (Grade) जैसी सिफारिशें शामिल है -

(A) मुदालियर आयोग

(B) राधाकृष्णन आयोग

(C) कोठारी आयोग

(D) इनमें से कोई नहीं

Dr. Mukesh Pancholi

9. 'शिक्षा का मतलब सिर्फ जानकारी देना ही नहीं है।' यह कथन है -

(A) लक्ष्मण मुदालियर स्वामी जी का

(B) राधाकृष्णन जी का

(C) डी.एस. कोठारी जी का

(D) इनमें से कोई नहीं

Dr. Mukesh Pancholi

10. किसने कहा था, 'शिक्षण कार्य पेशा नहीं बल्कि जीने का रास्ता है।'

(A) डॉ. राधाकृष्णन

(B) स्वामी विवेकानंद

(C) गुलजारी लाल नंदा

(D) नरेन्द्र मोदी

Dr. Mukesh Pancholi

11. माध्यमिक/मुदालियर आयोग के अनुसार उच्च व उच्चतर माध्यमिक स्तर की शिक्षा में पाठ्यक्रम में किन विषयों को अनिवार्य माना है -

(A) गणित, विज्ञान, कला

(B) कला, विज्ञान, संगीत

(C) सामान्य ज्ञान, गणित कला

(D) कला, संगीत, दर्शन

Dr. Mukesh Pancholi

12. उच्च शिक्षा स्तर पर शिक्षण का मुख्य उद्देश्य है -

(A) छात्रों को परीक्षा पास करने के लिए तैयार करना

(B) निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना

(C) नई जानकारी देना

(D) छात्रों को व्याख्यान के दौरान प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करना

Dr. Mukesh Pancholi